International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

समकालीन वैश्विक राजनीति में भारत कि भूमिका: एक अध्ययन

डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे

(सहा. प्राध्यापक) राजनीति विज्ञान, शासकीय महाविद्यालय, लामता जिला- बालाघाट (म.प्र.)

सारांश

समकालीन वैश्विक राजनीति में, भारत एक महत्वपूर्ण और गतिशील शक्ति के रूप में उभर कर विश्व पटल पर सामने आ रहा है, भारत आर्थिक, कूटनीतिक, भू-राजनीतिक शक्ति के अलावा जी20, क्वाड और ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से बहुध्रुवीय विश्व में 'विश्वबंधु' की भूमिका भी निभा रहा है। भारत की भूमिका अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति की नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनने की है, जो आत्मनिर्भर भारत पहल के माध्यम से अपनी रक्षा निर्यात बढ़ाकर वैश्विक रक्षा उद्योग में भी अपनी जगह बना रहा हैं। आर्थिक शक्ति, भू-राजनीतिक और रणनीतिक भूमिका, वैश्विक स्वास्थ्य और कूटनीति, जलवायु और सतत विकास, ग्लोबल साउथ की आवाज, योग, सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी विशेषज्ञता के माध्यम से भारत का वैश्विक प्रभाव बढ़ रहा है। भारत की वैश्विक राजनीति में भूमिका पिछले कुछ दशकों में बहुत महत्वपूर्ण रूप से बदल रही है। पहले जहां भारत एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में देखा जाता था, वहीं अब यह एक प्रमुख वैश्विक अभिनेता के देखा जा रहा है। भारत के राजनीतिक, आर्थिक, और सैन्य प्रभाव ने उसे एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। भारत की भूमिका अंतरराष्ट्रीय राजनीति वर्तमान समय में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वैश्विक आर्थिक, सुरक्षा, और पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य में भारत ने एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। हालांकि, यह चुनौतियों से मुक्त नहीं है, लेकिन भारत की कूटनीतिक क्षमता, सैन्य शक्ति, और वैश्विक साझेदारी इसे एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने के रास्ते पर अग्रसर हैं। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और समृद्ध भविष्य इसके सक्रिय वैश्विक नेतृत्व, स्थिरता की दिशा में काम करने और अपनी अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने पर निर्भर करेगा। गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांतों में निहित इतिहास के साथ, भारत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ वैश्विक राजनीति की चुनौतियों का सामना करता है। भारत वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज भारत विभिन्न क्षेत्रों में अपना प्रभाव डालता है, जो सामूहिक रूप से अंतरराष्ट्रीय संबंधों को

आकार देते हैं। वैश्विक राजनीति पर भारत का प्रभाव एक जटिल और बहुआयामी घटना है, जो कूटनीतिक, आर्थिक, क्षेत्रीय और रणनीतिक आयामों में इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। यह सारांश वर्तमान वैश्विक राजनीतिक परिवेश में भारत की बहुआयामी भूमिका का विश्लेषण करता है, जिसमें इसकी कूटनीतिक गतिविधियों, आर्थिक योगदान और क्षेत्रीय नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया है। 21वीं सदी का नया भारत अपनी मज़बूत विदेश नीति के दम पर देश और देशवासियों के हित को सर्वोपरि रखते हुए विश्व पटल पर एक महाशक्ति के रुप में उभर रहा है।

मुख्य शब्द- समकालीन परिदृश्य, वैश्विक राजनीति, विदेश नीति, अंतरराष्ट्रीय संबंध, कूटनीति, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक साझेदारी आदि।

प्रस्तावना

समकालीन विश्व में भारत की भूमिका उसकी ऐतिहासिक विरासत, लोकतांत्रिक आदर्शों, आर्थिक विकास और रणनीतिक भू-राजनीतिक स्थिति से निर्धारित होती है। विश्व की सबसे बड़ी आबादी और अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में से एक होने के नाते, यह वैश्विक चुनौतियों का सामना करने, बहुपक्षीय कूटनीति को आकार देने और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्व व्यवस्था को शांति संकट के समय दिशा एवं मार्गदर्शन देने के लिए विश्व राजनीति में कुशल जिम्मेदारी और नेत्रत्व का होना अतिआवश्यक हैं। भारत अपने सभी क्षेत्रों में (सामाजिक, आर्थिक, भूराजनीतिक, पर्यावरण सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, व्यापार आदि) अपनी सुचारू रूप से जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहा। भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम' सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के मार्ग पर चलते हुए हर समय हर परिस्थिति में अपनी बखूबी भूमिका का निर्वाह करते हुए समकालीन विश्व व्यवस्था को सही दिशा प्रदान कि है। समकालीन विश्व राजनीति में भारत एक प्रमुख 'वैश्विक शक्ति' (Global Power) और 'नीति निर्माता' के रूप में उभर रहा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था (GDP growth rate approx 7%) और रणनीतिक स्वायत्तता (Multi-alignment) पर केंद्रित है। भारत बहुध्रुवीय विश्व में क्वाड (QUAD), ब्रिक्स (BRICS), और एससीओ (SCO) के माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षा और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वैश्विक राजनीतिक प्रतिष्ठा में भारत का उदय एक नवस्वतंत्र राष्ट्र से विश्व मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने तक की उसकी यात्रा का प्रमाण है। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से दशकों में, भारत ने बदलते गठबंधनों, क्षेत्रीय गतिशीलता और वैश्विक शक्ति परिवर्तनों से प्रभावित एक जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य का सामना किया है। 13 लाख से अधिक जनसंख्या, एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था

और बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ, भारत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते लोकतंत्रों में से एक के रूप में ध्यान आकर्षित करता है। शीत युद्ध के दौरान गुटनिरपेक्षता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ने स्वतंत्रता, संप्रभुता और बहुपक्षवाद पर आधारित विदेश नीति की नींव रखी। हाल ही के कुछ वर्षों में भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और जापान जैसी प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी की है, साथ ही क्षेत्रीय पड़ोसियों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत किया है। संयुक्त राष्ट्र, जी20 और ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों में भारत कि भागीदारी वैश्विक मापदंडों को आकार देने, विकासशील देशों के हितों की वकालत करने और गंभीर वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की उसकी इच्छा को दर्शाती है। जैसे-जैसे भारत वैश्विक राजनीतिक मंच पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है वैश्विक मंच पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित कर रहा हैं। समकालीन वैश्विक राजनीति में भारत कि भूमिका का मूल्यांकन करना भारत कि महत्ता को समझना इतना आसान नहीं हैं, क्योंकि भारत कि मीडिया में भारत कि वैश्विक स्तिथि का बहुत ज्यादा गुणगान किया जाता हैं। भारत कि इस महत्वपूर्ण भूमिका का दौर तीन दशक पहले से ही गूंज रहा हैं। आज भारत विश्व कि सबसे बड़ी आबादी के साथ विश्व कि पाँचवी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा हैं। विश्व के आर्थिक और राजनीतिक पटल पर भारत कि एक महत्वपूर्ण भूमिका स्पष्ट दिखाई दे रही हैं।

समकालीन विश्व राजनीति में भारत की भूमिका एक प्रमुख उभरती हुई शक्ति के रूप में है, जो गुटनिरपेक्षता से हटकर 'मल्टी-अलाइनमेंट' (बहु-संरेखण) की नीति, रणनीतिक स्वायत्तता, आर्थिक विकास, और G20 व हिंद-प्रशांत जैसी भू-राजनीति में अहम भूमिका निभा रहा है। भारत सुरक्षा, रक्षा, और वैश्विक शासन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री की रूस और अमेरिका की यात्रा ने भारत की कुशल बहु-गठबंधन या बहु-संरेखण रणनीति (multi-alignment strategy) को प्रदर्शित किया है। रूस और अमेरिका के साथ मधुर संबंध बनाए रखते हुए, जिसमें व्यापार वृद्धि एवं विभिन्न मोर्चों पर सहयोग बढ़ाने के समझौते शामिल हैं, भारत ने यूक्रेन युद्ध और शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता के बारे में विद्यमान चिंताओं को भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री की यह यात्रा जटिल भू-राजनीतिक स्थितियों के बीच आगे बढ़ने **और मतभेदों के बावजूद प्रमुख शक्तियों के साथ मज़बूत संबंध बनाए रखने की भारत की क्षमता को उजागर करती है। हालाँकि अमेरिका रूस के साथ व्यापार असंतुलन की स्थिति और प्रतिबंधों के कारण सैन्य सहयोग में संभावित सीमाओं के कारण भारत को बहुआयामी समाधान खोजने की आवश्यकता है। अपने वैश्विक दृष्टिकोण की दीर्घकालिक व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिये, भारत को विभिन्न देशों के साथ अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक संतुलित करने और वैश्विक उभरते मुद्दों को समझने की आवश्यकता होगी।** भारत अभी वर्तमान में अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध कि विभीषिका को देखते हुए विश्व में व्याप्त चिंताओं को संबोधित कर रहा हैं।

समकालीन विश्व राजनीति में भारत की भूमिका के प्रमुख आयाम

समकालीन विश्व राजनीति में भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हुए अपनी वास्तविक स्थिति को दर्शा रहा हैं। वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में चाहे वह किसी भी रूप में क्यों ना हों अपनी भूमिका का निर्वहन करता हैं।

आर्थिक रूप से- भारत दुनिया कि सबसे तेजी से बढ़ रही प्रमुख अर्थव्यवस्था में से एक हैं। भारत वैश्विक आर्थिक विकास में अहम योगदान देता हैं। भारत की तीव्र वृद्धि और विशाल बाजार व्यवस्था ने इसे वैश्विक आर्थिक गतिशीलता के एक प्रमुख चालक के रूप में स्थापित किया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने और नवाचार को बढ़ावा देने में सहायक है।

भू-राजनीतिक दृष्टि से- दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक, कूटनीतिक स्थिति, परमाणु शक्ति और एक प्रमुख सैन्य शक्ति के रूप में भारत कि स्थिति क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य और वैश्विक शासन में इसे महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करती है।

कूटनीतिक दृष्टि से- भारत किसी एक गुट में शामिल होने सभी के साथ संबंध की नीति अपनाता हैं। भारत विश्व कि चौथी बड़ी सैन्य शक्ति के रूप में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने में योगदान देता हैं। भारत विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है साथ ही अपने हितों को ध्यान में रखते हुए वकालत करता है। जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करते हुए समाधान करता है।

सांस्कृतिक दृष्टि से- भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध परंपराएं और बॉलीवुड, व्यंजन और योग सहित इसकी सॉफ्ट पावर संपत्तियां इसकी वैश्विक अपील को बढ़ाते हुए और वैश्विक धारणाओं और विचारों को आकार देने में इसके प्रभाव में योगदान करती हैं। ये सभी आयाम मिलकर एक उभरती हुई शक्ति और समकालीन वैश्विक राजनीति में एक प्रमुख कारक के रूप में भारत की बहुआयामी भूमिका को रेखांकित करते हैं।

वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व: भारत विकासशील देशों की चिंताओं, जैसे कि ऋण राहत, डिजिटल बुनियादी ढांचा और जलवायु न्याय को वैश्विक मंचों पर प्रमुखता से उठा रहा है।

बहु-संलग्नता और रणनीतिक स्वायत्तता: भारत गुटनिरपेक्षता से आगे बढ़कर अमेरिका (क्वाड के माध्यम से) और रूस दोनों के साथ अपने संबंध संतुलित कर रहा है, जो 'रणनीतिक स्वायत्तता' को दर्शाता है

जी 20 कि सफल अध्यक्षता (2023): भारत ने विकासशील देशों के मुद्दों को केंद्र में रखते हुए "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का विजन प्रस्तुत किया और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) को बढ़ावा दिया।

जलवायु कूटनीति: भारत ने अन्तराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के माध्यम से अक्षय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाई है।

सुरक्षा और स्थिरता:हिंद-प्रशांत (Indo-Pacific) क्षेत्र में भारत ने अपनी भागीदारी बढ़ाई है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और चीन की आक्रामकता को नियंत्रित करना है।

तकनीकी कूटनीति: भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), सेमीकंडक्टर और डिजिटल शासन (Digital Governance) के क्षेत्र में एक जिम्मेदार खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है।

निष्कर्ष

भारत ने हर विषम परिस्थिति में भी विश्व राजनीति में अपनी एक विशिष्ठ पहचान बनाई हैं विश्व राजनीति का कुशल नेत्रत्व कर वसुधैव कुटुंबकम वाक्य को चरितार्थ किया है और कर रहा है। वैश्विक पटल पर लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मूल्यों, मानवीय मूल्यों, प्रकृति प्रेम, आध्यात्मिकता आदि का प्रसार किया हैं। G20 कि अध्यक्षता के समय भारत ने अपनी नेत्रत्व क्षमता दूरदर्शिता के सहयोग पूर्ण व्यवहार से चुनौनियों का न्यायपूर्ण समाधान करते हुए अपनी महत्वपूर्ण स्थिति का परिचय दिया। 21वीं सदी में भारत की विदेश नीति अधिक स्पष्ट और सशक्त हुई है। अपनी बढ़ती आर्थिक क्षमता और रणनीतिक स्वायत्तता के बल पर भारत "नियम मानने वाले" (Rule-taker) के बजाय "नियम बनाने वाले" (Rule-maker) की भूमिका की ओर अग्रसर है। वैश्विक पटल पर युध्द कि स्थिति में चाहे वह रूस - यूक्रेन युद्ध हों या अभी चल रहे ईरान - अमेरिका, इजरायल युद्ध हों भारत कि अपनी एक अलग पहचान हैं। जो कि समकालीन वैश्विक राजनीति में प्रभावपूर्ण स्थिति को दर्शाता हैं। समकालीन राजनीति में, भारत न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक शासन जैसी चुनौतियों के समाधान में भी जिम्मेदार नेतृत्व दे रहा है, जो इसे एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में स्थापित करता है।

संदर्भ

1. https://trendsresearch.org/insight/contemporary-indian-foreign-policy-and-its-impact-on-indias-global-power-status/
2. https://www.ijraset.com/research-paper/indias-evolving-role-in-global-politics
3. www.sociologyjournal.in
4. फड़िया डॉ. बी. एल. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं समसामयिक मुद्दे, 2023, साहित्य भवन आगरा
5. https://www.icwa.in/show_content.php?lang=2&level=3&ls_id=2935&lid=2171
6. https://newsexpres.com/world-politics/

7. https://askfilo.com/user-question-answers-smart-solutions/1-smkaaliin-vishv-men-snyukt-raassttr-sngh-kii-bhuumikaa-kaa-3336373936353439
8. https://www.ijlrp.com/papers/2025/7/1952.pdf
9. https://www.icwa.in/show_content.php?lang=2&level=2&ls_id=3192&lid=2458&arch=1&sh_arch=1
10. https://sleepyclasses.com/indias-role-in-global-politics-for-psir/